DURGA PRASAD BALJEET SINGH PG COLLEGE

FACULTY OF COMMERCE & EDUCATION

FACULTY OF ART AND SCIENCE

FACULTY OF COMPUTER APPLICATION

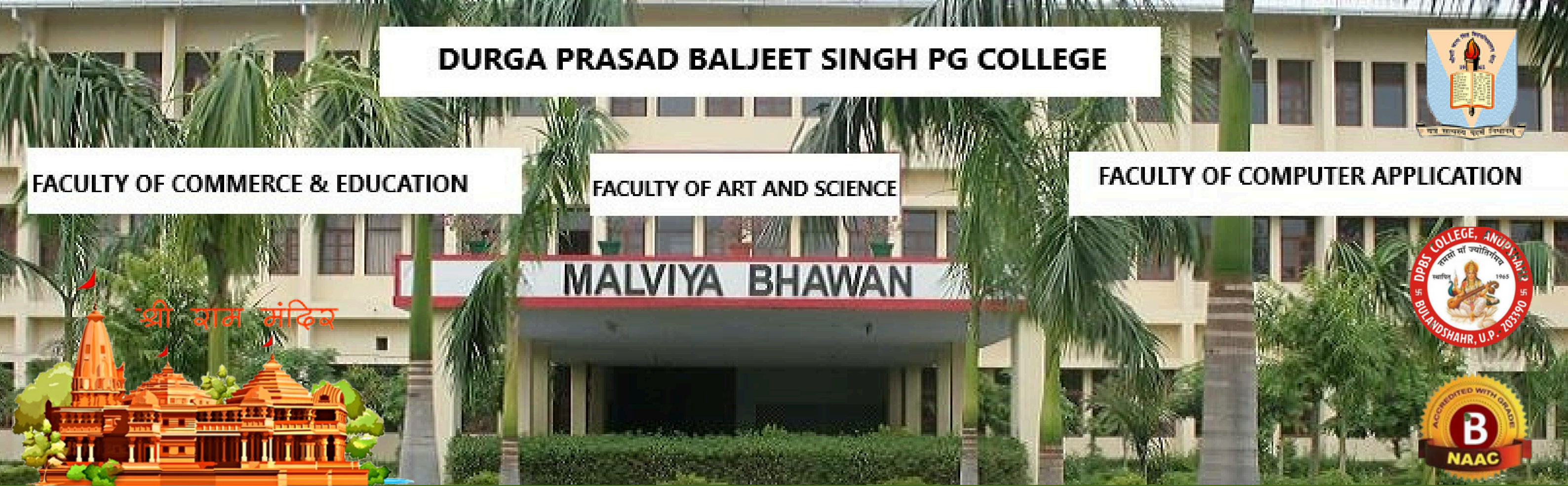

1st GRADE NEWSLETTER

दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अनूपशहर

(संबद्ध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
NAAC Accredited Grade 'B' with CGPA 2.71

JANUARY TO JUNE 2024 VOL.3 ISSUE 1

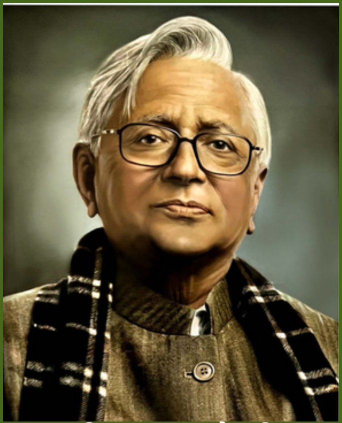

श्री जय प्रकाश गौड़ जी
संस्थापक जे पी ग्रुप
अध्यक्ष एंग्लो वैदिक एजुकेशनल एसोसिएशन

प्रोफेसर जी0के0 सिंह
प्राचार्य

डा0 तरुण श्रीवास्तव
सम्पादक

हमारे मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोतत

प्रगति के पथ पर, शिक्षा ही वह माध्यम है जो हमारे देश को न केवल अपनी संस्कृति को संरक्षित करने की अनुमति दे सकती है बल्कि हमारे युवा देशवासियों के मस्तिष्क को भी प्रज्वलित कर सकती है और उन्हें अन्य विकसित देशों के नागरिकों के बराबर होने के लिए सशक्त बना सकती है। 21वीं सदी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति का एक पुनर्मूल्यांकन करेंगे जो आज हमारी कल्पना से परे है और जो पृथ्वी ग्रह की सीमाओं को पार कर जाएगा ताकि मनुष्य अनंत ब्रह्मांड के साथ अपना प्रयास शुरू कर सके। नेल्सन मंडेला की प्रसिद्ध उक्ति "शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग दुनिया को बदलने के लिए किया जा सकता है" में दृढ़ विश्वास है। हम पूरी तरह से इस विचार का समर्थन करते हैं कि शिक्षा आर्थिक विकास की आधारशिला है और भारतीय जनता की ताकत को केवल शिक्षा से ही जोड़ा जा सकता है। भारत का वास्तविक भविष्य इसके हजारों छोटे शहरों और गांवों में निहित है, जहां लाखों लड़के और लड़कियां रात में जागते हुए सपने देखते हैं कि क्या हो सकता है और हम यह भी मानते हैं कि उन सपनों को पूरा करने और उन्हें ऊंची उड़ान भरने में मदद करने की कुंजी एक अच्छी शिक्षा है।

हम अपने छात्रों को आधुनिक भारत के आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी नागरिकों के रूप में आकार देते हुए उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सबसे आधुनिक शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये संस्थान ज्ञान की गंभीर खोज के साथ अनुशासन और चरित्र निर्माण को विकसित करने का प्रयास करेंगे, सबसे उन्नत शिक्षण प्रथाओं और उच्च नैतिक मानकों का उपयोग करेंगे ताकि हमारे शिक्षक और छात्र आगे बढ़ सकें और अपने देश को अपने जीवनकाल में एक उन्नत राष्ट्र में बदल सकें। .

प्राचार्य का संदेश

जीवन के प्रति जागरूक होने का बेहतर तरीका यह है कि हम अपनी ऊर्जा व समय के उपयोग पर एक दृष्टि डालें। जागरूक लोग अपने भाव- विचारों से जुड़े क्षेत्रों में अपना ध्यान केंद्रित करते हैं । जीवन एक खिले हुए फूल के समान है जो कुछ काल में अपने आप ही कुम्हलाकर गिर पड़ेगा। हमें चाहिए कि हम समग्र जीवन का सम्मान करें। दरअसल जीवन को गहराई से देखना चाहिए क्योंकि यह मानवीय संवेदनाओं का सघन रूप है। हम ज्यों-ज्यों इसकी बनावट को परखेंगे, त्यों-त्यों क्रमिक रूप से जीवन के विशालतम शब्द एवं व्यापकतम अर्थ को पढ़ और समझ सकने लायक होंगे। जीवन में सामंजस्य का महत्व बहुत है। जीवन का प्रवाह नदी की मर्यादित धारा के समान होना चाहिए। जीवन जीने के लिए, नदी की मर्यादित धारा में बहना ही पड़ेगा। हमें जीवन की निर्धारित दिशाओं के साथ चलना पड़ेगा। जीवन को हम अपनी शर्तों पर नहीं चला सकते। और जीवन को इन शर्तों के आधार पर चलाना ही, सामंजस्य कहलाता है। जहां यह सामंजस्य नहीं होता, वहां ऐसा इसलिए होता है कि हमारा अहं और हमारी स्वार्थपरता, उसका मार्ग अवरुद्ध करते हैं। ये दोनों तत्व, सामंजस्य की कोमल एवं उर्वर भूमि को बंजर बना देते हैं। इस बंजर भूमि मेंमानवीय रिश्तों के सभी संवेदनशील पहलू जर्जर अवस्था को पहुंच जाते हैं। सामंजस्य की स्थापना के लिए हमें धैर्य, क्षमा, सहनशीलता, उदारता, सहयोग, सहकार जैसे गुणों की आवश्यकता पड़ती है। जीवन को हम बिना सामंजस्य स्थापित किए, नहीं जी सकते। समाज में रहने के लिए हमें जीवन को सहनशील बनकर जीना होगा। ऐसा तालमेल वही कर सकता है जो जीवन को सहनशील बना लेता है। अनेक कष्टों और कठिनाइयों को सहने से ही हमारे अंतर्मन में समरसता पैदा होती है। जिस व्यक्ति में ये गुण पैदा हो जाते हैं, वही जीवन जीने की कला में निपुण होता है।

सम्पादकीय

हमारे घर परिवार के सदस्य हों या समाज के अलग- अलग क्षेत्र के लोग, इनको करीब से जानने पर पता लगता है कि ज्यादातर लोगों को अपने जीवन से शिकायत रहती है। इसका कारण होता है असंतोष जो कि न्यूनतम समय में अधिकतम पा लेने की कामना से उपजता है। लेकिन उन्हीं में से कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो जीवन से संतुष्ट होते हैं। ऐसा नहीं है कि उनमें कुछ पाने की इच्छा नहीं होती, लेकिन उनके पास इस इच्छा के साथ उसे पूरा करने की व्यवस्थित योजना भी होती है। जीवन की सटीक योजना के लिए यह छोटा-सा उदाहरण काफी सहायक हो सकता है।

. व्यक्ति की प्राथमिकता हमेशा दूसरों को मान-सम्मान और प्रेम देने की होनी चाहिए, क्योंकि प्रेम से बोले गए शब्द और सम्मान के द्धारा ही व्यक्ति दूसरों के हृदय में अपने लिए जगह बना सकता है। वहीं जो लोग दूसरों की इज्जत करते है, समाज में उन्हें भी इज्जत मिलती है। और वहीं जो लोग दूसरों का अपमान करते हैं एवं सामने वाले को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं, ऐसे लोग अपनी जिंदगी में कभी भी सुख नहीं भोग पाते हैं। इसलिए हम सभी को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए, तभी हम सफल और सुखी जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

आभार सहित

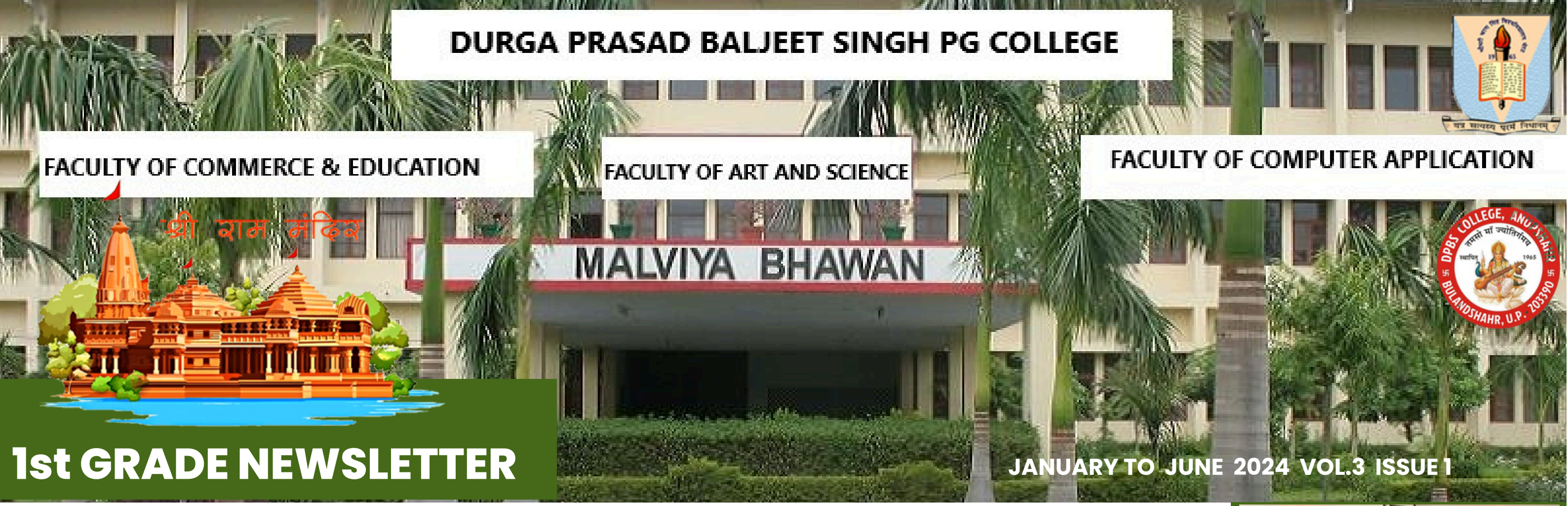

DURGA PRASAD BALJEET SINGH PG COLLEGE

FACULTY OF COMMERCE & EDUCATION

FACULTY OF ART AND SCIENCE

FACULTY OF COMPUTER APPLICATION

1st GRADE NEWSLETTER

JANUARY TO JUNE 2024 VOL.3 ISSUE 1

महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश कौशल विकाश मिशन एवम राजकीय आद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के सयुंक्त तत्वाधान में विकाश खंड स्तरीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौसल योजना के अंतर्गत रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमे मुख्या अतिथि श्री संजय शर्मा विधायक अनूपशहर उपस्थित रहे। जिसमे उन्होंने बताया की नयी शिक्षा नीति के अंतर्गत युवाओ को आत्म निर्भर बनाने हेतु कौशल विकाश के अंतर्गत प्रशिक्षण करा कर सरकार द्वारा स्व रोजगार एवम रोजगार के अवसर प्रदान कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा हैं।

महाविद्यालय में अनूपशहर के द्वारा सोशल आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत ग्राम पंचायत खुशहालगढ़ को गोद लिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर जीके सिंह ने बताया कि इसके माध्यम से डीपीबीएस कॉलिज, अनूपशहर ग्राम पंचायत खुशहालगढ़ के निवासियों के लिए भारतीय संस्कृति के के गौरव को बढ़ाने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि व पर्यावरण इत्यादि से संबंधित जागरुकता अभियान चलाएगा। क्षेत्रों में कौशलता प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। निश्चित रूप से इन योजनाओं कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे।

महाविद्यालय में अनूपशहर ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर प्रसाद का वितरण किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जी के सिंह ने कहा कि महाविद्यालय में पिछले वर्ष से सामुदायिक रसोई कार्यक्रम को प्रारम्भ किया गया है जिसमे कोई भी शिक्षक साथी विशेष अवसरों जिनमे त्योहार, जन्मदिन, शादी की सालगिरह आदि पर चाय,खाना वितरित कर समाज से सीधे जुड़ सकता है।

महाविद्यालय में भारत स्काउट और गाइड (रोवर/रेंजर) बुलंदशहर के तत्वावधान में मतदाता जागरुकता स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे रोवर रेंजर छात्र छात्राओं ने भाग लिया और स्लोगन लिखें।

महाविद्यालय मेंअनूपशहर में प्राचार्य प्रो. जी. के. सिंह की अध्यक्षता में नैक समिति और IQAC की कार्यशाला आयोजित की गई। इस बैठक में प्रो सीमा जैन सेवानिवृत्त आर. जी. कालेज, मेरठ ने नैक के विभिन्न क्राइटेरिया के बारे में समिति के सदस्यों को विधवत जानकारी दी। समिति के सदस्यों ने नैक संबंधी अपने प्रश्नों को प्रो जैन के समक्ष रखा जिसका निराकरण उनके द्वारा किया गया।

महाविद्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को हर्षोल्लास से मनाया गया| कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्राचार्य प्रो. गिरीश कुमार सिंह, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नेताजी को श्रद्धांजलि दी| इस अवसर पर प्राचार्य गिरीश कुमार सिंह ने नेता जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्र की स्वाधीनता हेतु नेताजी के अदम्य साहस एवं समर्पण से ओतप्रोत प्रसंगों को साझा किया, साथ ही विद्यार्थिंयों से नेताजी के जीवन से राष्ट्र के प्रति सेवा, समर्पण एवं स्वाभिमान को सीखने का आह्वान किया|

महाविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा कु० अंजू ने चेन्नई में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स -2023 में लंबी कूद प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए छठवॉ स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर किया गया । पूर्व में इसी वर्ष अंजू ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान तथा राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में छठवॉ स्थान प्राप्त किया था तथा सत्र 2023-24 में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में लंबी कूद व त्रिकूद में दो स्वर्ण पदक जीत कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है ।

महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो जी के सिंह के निर्देशन में संस्कृत विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष प्रो वाचस्पति मिश्रा प्रो मिश्र ने अपने संबोधन में संस्कृत के महत्व को प्रतिपादित करते हुए इस क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार संस्कृत केवल देव भाषा न होकर रोजगार की भी भाषा है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य जी ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को कृमि से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में अवगत कराया। इसके पश्चात कार्यक्रम की प्रभारी प्रो चंद्रावती ने कृमि से मुक्ति के लिए सावधानियों का विवरण किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को कृमि से बचाव के लिए कृमि नियंत्रण की दवाई एल्बेंडाजोल वितरण की गई।

महाविद्यालय में हो रहे प्राचीन देव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के सर्वप्रथम देव आह्वान किया गया। तत्पश्चात मंडप पूजन हुआ। इसके उपरांत शर्कराधिवास घृताधिवास,,पुष्पाधिवास, फलाधिवास इत्यादि कार्यक्रम संपन्न हुए। इसके उपरांत विविध औषधियों से युक्त 108 कलशों द्वारा भगवान का स्नान कराया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्राण प्रतिष्ठा संबंधी विविध पूजन क्रियाएं संपन्न की जा रही हैं।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के कार्य स्थल गंगा घाट पर जाने से पूर्व सभी स्वयंसेवकों को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जी के सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सभी स्वयंसेवकों को गंगा सफाई के साथ-साथ लोगों में भी जन जागरुकता को लाने का कार्य करना चाहिए। इसके पश्चात सभी स्वयंसेवक बवस्टरगंज गंगा घाट पर गए तथा सभी स्वयंसेवकों ने पूर्ण मनोयोग से गंगा घाट पर सफाई अभियान चलाया

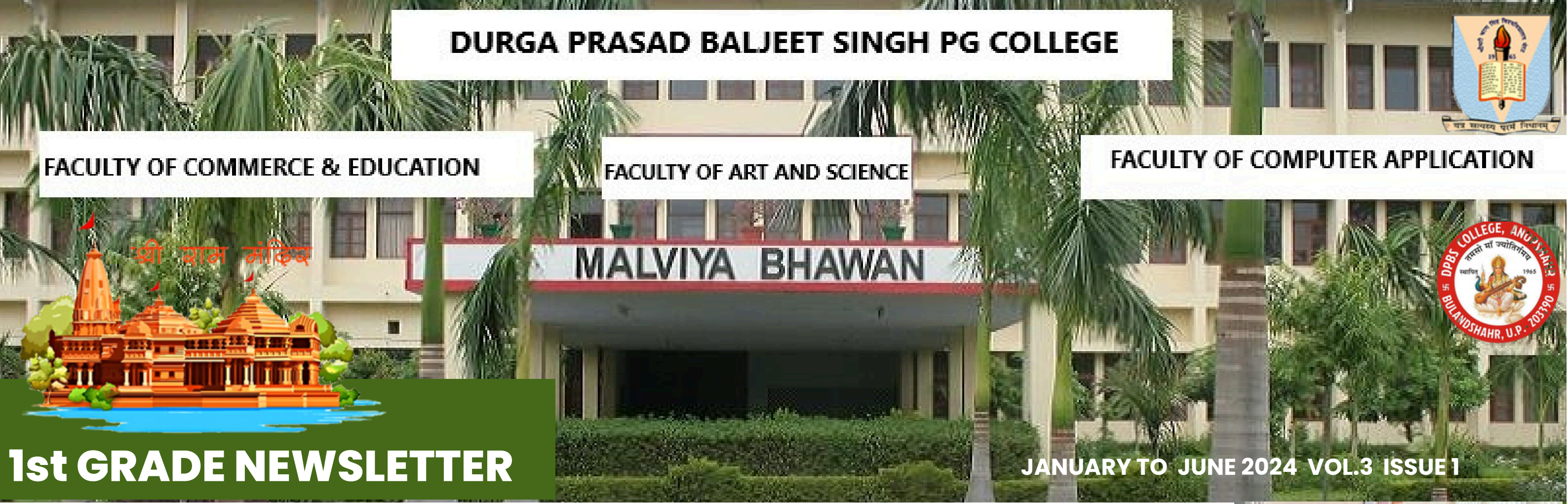

DURGA PRASAD BALJEET SINGH PG COLLEGE

FACULTY OF COMMERCE & EDUCATION

FACULTY OF ART AND SCIENCE

FACULTY OF COMPUTER APPLICATION

1st GRADE NEWSLETTER

JANUARY TO JUNE 2024 VOL.3 ISSUE 1

महाविद्यालय में जिलाधिकारी बुलंदशहर आदरणीय श्री चंद्रप्रकाश सिंह के आगमन के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। इन कार्यक्रमों की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जी के सिंह ने की। इस क्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय मुख्य द्वार पर प्राचार्य ,प्रबंध तंत्र के सम्मानित सदस्यों एवं प्राध्यापकों द्वारा बुलंदशहर के जिलाधिकारी श्री चंद्र प्रकाश सिंह का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इसके उपरांत जिलाधिकारी महोदय ने महाविद्यालय स्थित देवालय में पूजन के उपरांत देवालय परिसर में वृक्षारोपण किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी महोदय के कर- कमलों से महाविद्यालय में नवनिर्मित गंगा लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इस डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण का उद्देश्य महाविद्यालय एवं क्षेत्र के प्रतियोगी छात्रों को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु मानक पुस्तकें,पत्रिकाएं ,ब्राड बैंड इंटरनेट एवं अनुभवी प्राध्यापकों से निःशुल्क मार्गदर्शन प्रदान की सुविधा प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार सहायता देने के लिए भी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो जी के सिंह ने प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इसके उपरांत जिला अधिकारी महोदय ने अपने कर कमलों से महाविद्यालय के नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन फीता काटकर किया। सभागार के निर्माण का उद्देश्य महाविद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न राष्ट्रीय , अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं बैठकों के आयोजनों हेतु किया गया है। इसके उपरांत जिलाधिकारी महोदय ने फ़ोटो कक्ष का निरीक्षण किया जिसमें देश की महान विभूतियों के चित्रों का महत्वपूर्ण संग्रह किया गया है। इस फोटो कक्ष के निर्माण हेतु जिलाधिकारी महोदय ने महाविद्यालय परिवार की बहुत सराहना की। इसके उपरांत जिलाधिकारी महोदय ने महाविद्यालय के न्यूज लेटर एवं सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरण स्थिरता का पुस्तक विमोचन जिलाधिकारी महोदय द्वारा किया गया।

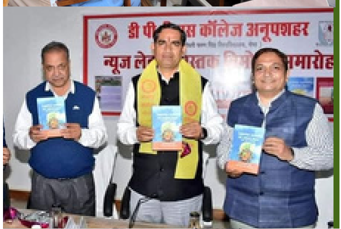

महाविद्यालय की एन एस एस इकाई द्वारा महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम खुशहालगढ़ में प्राचार्य प्रो जी के सिंह की अध्यक्षता में एक सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन खुशहालगढ़ के ग्राम प्रधान श्री ब्रजवीर सिंह ने उद्बोधन से हुआ उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को सामाजिक उत्थान हेतु उनकी सहभागिता के महत्व के बारे में बताया। इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री सोहन आर्य ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को रेखांकित किया। एनएसएस की छात्रा उषा सिंह द्वारा एन एस एस का गीत गया गया। इसके उपरांत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जी के सिंह ने छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में लगकर देश को आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया।

महाविद्यालय में एक साइबर कैफे का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जी के सिंह ने कहा कि इस साइबर कैफे को खोलने का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को उचित दर में विभिन्न कार्य जैसे प्रवेश फॉर्म भरवाना, स्पाइरल बाइंडिंग ,फोटो कॉपी ,प्रिंट निकलवाना एवं फ्री कॉलिंग इत्यादि की सुविधा प्रदान करवाना है। उन्होंने बताया कि यह पहली बार है कि महाविद्यालय में नैक के मानकों के अनुसार ऐसी व्यवस्था की गई है।

महाविद्यालय के द्वारा सोशल आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत ग्राम पंचायत खुशहालगढ़ को गोद लिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 जी.के. सिंह ने बताया कि इसके माध्यम से डीपीबीएस कॉलिज, अनूपशहर ग्राम पंचायत खुशहालगढ़ के निवासियों के लिए भारतीय संस्कृति के गौरव को बढ़ाने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि व पर्यावरण इत्यादि से संबंधित जागरुकता अभियान चलाएगा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत खुशहालगढ़ के प्रधान बृजवीर सिंह ने प्राचार्य की दूरदृष्टि की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन जागरूकता अभियानों को चलाने के लिए हम सभी आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करते हुए पूर्ण सहयोग करेंगे।

महाविद्यालय में 6 दिवसीय स्काउट गाइड सिविल का शुभारंभ किया गया इसके उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गिरीश कुमार सिंह, मुख्य अतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अनूपशहर के चिकित्सका अधीक्षक डॉ. वाई. पी. सिंह रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा उनके सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम जिला स्काउट प्रशिक्षण कमिश्नर ओ. पी. हंस ने स्काउट के वैश्विक तथा भारतीय परिचय पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. वाई. पी. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा एक ऐसा साधन है जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति किसी भी ऊंचाई को प्राप्त कर सकता हैं। स्काउट के माध्यम से विभिन्न प्रकार के योग तथा शारीरिक अभ्यास सीखने पर बल देते हुए विद्यार्थियों के स्वस्थ रहने के लिए अनेक उपाय साझा किए।

महाविद्यालय में आईसीएसएसआर द्वारा पोषित राष्टीय सेमीनार वैश्विक पर्यावरणीय परिदृश्य भूत, वर्तमान एवं भविष्य विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे देश के जाने माने विद्वान् शिक्षकों ने सहभागिता कर महाविद्यालय के गौरव को बढ़ाया। संगोष्ठी के प्रथम सत्र आंतरिक पर्यावरण को शुद्ध करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए ,रात्रि के समय फोन को स्विच ऑफ कर देना चाहिए और अपने घर एवं कार्यालय में कम से कम ऊर्जा की खपत को सुनिश्चित करना चाहिए। गंगा के प्रदूषित होने एवं गंगा में पाई जाने वाली विशिष्ट प्रजातियों के संरक्षण के बारे में सविस्तार जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गंगा संरक्षण देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है और यह सामुदायिक भागीदारी से ही हल हो सकता है। हमारी संस्कृति में प्राचीन काल से ही वृक्षों का महत्व रहा है ,सागर मंथन से निकलने वाले रत्नों में कल्पवृक्ष का होना इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। सत्र के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जी के सिंह ने कहा कि हमें पर्यावरण के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण हेतु आचरण की शुद्धता पर बल दिया। इसके साथ उन्होंने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

DURGA PRASAD BALJEET SINGH PG COLLEGE

FACULTY OF COMMERCE & EDUCATION

FACULTY OF ART AND SCIENCE

FACULTY OF COMPUTER APPLICATION

1st GRADE NEWSLETTER

JANUARY TO JUNE 2024 VOL.3 ISSUE 1

जनसंपर्क एवं नौकरी नियुक्ति प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के करियर से संबंधित उनके उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए, उनको आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन देना रहा। मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल त्यागी ने करियर काउंसलिंग को विद्यार्थियों के करियर का नींव बताया। जिसके माध्यम से विद्यार्थीयों को अपना करियर शुरू करने, बदलने या आगे बढ़ाने, उनकी आंतरिक शक्ति, उनकी सकारात्मक सोच , उनके अपने लक्ष्य और संदेह अथवा भय पर काबू पाने और प्रेरणा के साथ सफलता और खुशी को समझने में मदद मिलती है। समाज सेविका अनीता त्यागी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करने की कामना से किसी भी कोर्स को पूरा करने के बाद सरकारी क्षेत्र और निजी क्षेत्र में जीविका प्राप्त करने के विभिन्न अवसर हैं। महाविद्यालय में सामुदायिक रसोई प्रोग्राम के अंतर्गत- गंगा सप्तमी कार्यक्रम पर ठण्डा शर्बत वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महाविद्यालय में बीसीए विभाग के विद्यार्थियों द्वारा फ्रेशर एंड फेयरवेल फिएस्टा 2024 का आयोजन किया गया,इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्राचार्य तथा समस्त शिक्षकों का स्वागत एवं सम्मान किया तत्पश्चात अनेक रंगारंग संस्कृतिक कार्यक्रम कर सभी का मनमोहा। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हमें सीखना चाहिए की किसी भी महत्वपूर्ण अवसर पर कार्यक्रमों को कैसे सफल ढंग से आयोजित किया जाए, व्यवस्थित किया जाए, हर प्रकार के कार्यक्रम में हमारी भूमिका अलग-अलग हो सकती है तो हमें अपनी हर भूमिका को अच्छे से निर्वहन करना आना चाहिए, साथ ही सभी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास करने के लिए शिक्षकों के कार्य को सराहते हुए विद्यार्थियों को सुनहरे भविष्य के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी।

महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा "स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएट) के बाद करियर के अवसरों की खोज एवं सफलता के लिए रणनीति" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके मुख्य वक्ता मेरठ कॉलेज मेरठ से आए प्रोफेसर ललित कुमार रहे। महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष यजवेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को बताया की पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद विद्यार्थी महाविद्यालय में शिक्षक बनने के लिए एवं पीएचडी करने के लिए नेट,जे आर एफ की परीक्षा पास कर सकते हैं। विभिन्न आईआईटी एवं अन्य प्राविधिक इंस्टिट्यूट से एम टेक करने के लिए गेट की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है। प्रोफेसर ललित कुमार ने एमएससी के विद्यार्थियों को नेट, गेट, बार्क, साइंटिस्ट बी इत्यादि की परीक्षा को क्वालीफाई करने के गुर सिखाए

कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर जीके सिंह के मार्गदर्शन में दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने योग आसन, प्राणायाम, सूक्ष्म व्यायाम किये। इस कार्यक्रम में कॉलेज की दो छात्राओं अंजू और अनु ने योगाचार्य की भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सीमांत कुमार दुबे ने किया

महाविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में सांख्यिकी में करियर अवसर विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से आए डीन साइंस प्रोफेसर हरे कृष्णा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए सांख्यिकी विषय का महत्व बताया और सांख्यिकी में रोजगार की अनेक संभावनाओं के बारे में बताया। प्रोफेसर भूपेन्द्र सिंह (डीएसडब्ल्यू) ने सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्रों में सांख्यिकी में रोजगार की संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर पीके त्यागी ने सांख्यिकी विषय को बहुत ही व्यावहारिक तरीके से समझाया और इसके महत्व को समझाया।

महाविद्यालय ने अपना पहला दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसकी अध्यक्षता प्रिंसिपल प्रोफेसर जी.के. सिंह. मुख्य अतिथि अपर जिला न्यायाधीश श्री यशपाल सिंह एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर विग्नेश कुमार थे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।वि भिन्न विषयों के विद्यार्थियों को स्नातक उपाधियाँ एवं पदक प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त, उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को मौद्रिक पुरस्कार दिए गए, जिनमें निकिता शर्मा (₹5100) और मानसी गर्ग, शिवा भारद्वाज, सुरभि मीना (प्रत्येक ₹1100) शामिल हैं। महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव खुशहाल गढ़ के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। प्राचार्य प्रोफेसर जी.के. सिंह ने कॉलेज की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और स्नातकों से देश के लिए काम करने का आग्रह किया। दीक्षांत समारोह की प्रतिज्ञा तैत्तिरीय उपनिषद से ली गई थी। इस कार्यक्रम में कॉलेज की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री अजय गर्ग, सचिव श्री सुनील गुप्ता और संकाय और कर्मचारी सदस्य उपस्थित थे।

महाविद्यालय को उच्च गुणवत्ता के लिए इंटरनेशनल आर्गनाइजेशन - फार स्टैंडर्डाइजेशन (आइएसओ) 9001-2015 प्रमाण-पत्र से अलंकृत किया गया है। यह प्रमाण-पत्र कालेज क के मानवीयकरण, गुणवत्ता, आश्वासन और स्थिरता के लिए ई प्रदान किया गया। प्राचार्य प्रो. जीके सिंह ने बताया न कि कालेज को आइएसओ प्रमाण-पत्र नी मिलना गौरव की बात है। कालेज की तो ओर से आर्गनाइजेशन फार स्टैंडर्डाइजेशन प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन किया गया था। आइएसओ टीम ने कई बार कालेज में शिक्षा के अलावा अनुशासन, इमारत, क्रीडा स्थल, कंप्यूटर रुम, लैव, प्राथमिक चिकित्सा, एनसीसी आदि का निरीक्षण किया। टीम ने आइएसओ को कालेज की रिपोर्ट प्रस्तुत की। 7 मई को आर्गनाइजेशन फार स्टैंडडॉइजेशन (आइएसओ) 9001-2015 से प्रमाण-पत्र दिया गया। प्राचार्य ने कहा कि कालेज को आइएसओ प्रमाण-पत्र गुणवत्ता और विश्वसनीयता के साथ निरंतर होने वाले सुधारों के लिए दिया जाता है।

महाविद्यालय में कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर जीके सिंह के मार्गदर्शन में सांख्यिकी विभाग में सांख्यिकी में करियर अवसर विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से आए डीन साइंस प्रोफेसर हरे कृष्णा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए सांख्यिकी विषय का महत्व बताया और सांख्यिकी में रोजगार की अनेक संभावनाओं के बारे में बताया। प्रोफेसर भूपेन्द्र सिंह (डीएसडब्ल्यू) ने सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्रों में सांख्यिकी में रोजगार की संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर पीके त्यागी ने सांख्यिकी विषय को बहुत ही व्यावहारिक तरीके से समझाया और इसके महत्व को समझाया।

प्रकाशित द्वारा- दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह स्नातकोत्तर कॉलेज, अनूपशहर (बुलंदशहर।)
आप कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट http://www.dpbspgcollege.edu.in/ से समाचार पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।
किसी भी सुझाव के लिए आप हमें dpbspgcollege65@gmail.com पर मेल करें